हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
गुरुवार, 12 अप्रैल 2018, नगर/नोएडा, पांच प्रदेश, 20 संस्करण
www.livehindustan.com

● बिमटेक में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू पहुंचे ● उन्होंने कहा-पढ़ लिखकर बेशक विदेश जाएं, लेकिन देश के लिए भी कुछ करें

गूगल से ज्यादा जरूरी हैं गुरु : वेंकैया नायडू

दीक्षांत समारोह

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

वर्तमान दौर गूगल का जरूर है, लेकिन गूगल से ज्यादा जरूरी गुरु हैं। बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिलता। ये बातें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने बुधवार को यहां बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलाजी (बिमटेक) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

एक्सपो मार्ट में आयोजित समारोह की शुरुआत उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रदेश के आबकारी मंत्री जय प्रताप सिंह, बिमटेक की चेयरपर्सन जयश्री मोहता और निदेशक डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

नायडू ने कहा कि बिड़ला ग्रुप शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम कर रहा है और बिमटेक देश के चुनिंदा कॉलेजों में शुमार है। उन्होंने छात्रों को सीख दी कि जीवन में मेहनत से पीछे नहीं हटना चाहिए क्योंकि मेहनत ही सफलता के रास्ते तैयार करती है। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ लिखकर बेशक विदेश जाएं, लेकिन देश के लिए भी कुछ करें।

नौकरी देने वाले बनें : उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी भारतीयों को खासकर युवा पीढ़ी को इस बात पर गौरव करना चाहिए कि हमारा देश युवाओं का देश है। युवा भारतीय संस्कृति के पोषक हैं। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि नौकरी देने वाले बनें, न कि नौकरी मांगने वाले। उन्होंने छात्रों को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की तरह ही उच्च विचार के साथ कड़ी मेहनत करने की सीख दी।

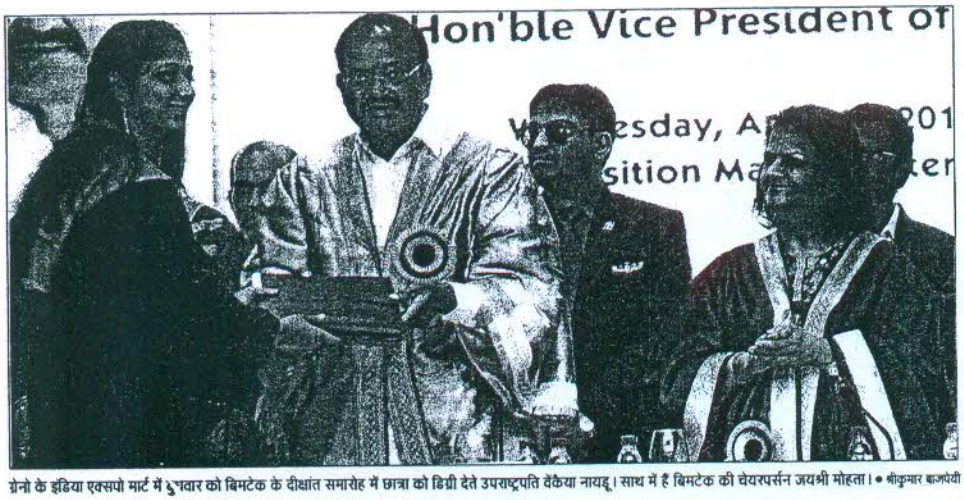

ग्रेनो के इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार को बिमटेक के दीक्षांत समारोह में छात्रा को डिग्री देते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू। साथ में हैं बिमटेक की चेयरपर्सन जयश्री मोहता। • श्रीकुमार बाजपेयी

287

छात्र-छात्राओं को बिमटेक के दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की गई

4सी का मंत्र याद रखें

एक्सपो मार्ट में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने छात्रों को 4सी यानी कैरेक्टर, कैलीबर, कंडक्ट और कैपसिटी का मंत्र देते हुए कहा कि योग्यता, क्षमता, सामर्थ्य और आचरण से किसी भी मंजिल को पाया जा सकता है। इस मंत्र से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलना तय है।

मातृभाषा को कभी न भूलें

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि अंग्रेजी बेशक सीखें, लेकिन अपनी मातृभाषा को कभी नहीं भूलिये। मां ने जो सिखाया है, वह सबसे बेहतर है। हमारी भारतीय परंपरा सबसे महान और पुरानी है।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार को बिमटेक के दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

दीक्षांत समारोह में 14 छात्रों को गोल्ड मेडल

बिमटेक के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने 14 छात्र-छात्राओं को मेडल व डिग्री देकर सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह में 287 छात्र-छात्राएं डिग्री पाकर खुशी से उछल उठे। इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार को आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया। पीजीडीएम में आदित्य वर्धन को गोल्ड मेडल दिया गया। पीजीडीएम इश्योरेंस यशस्वी अग्रवाल, पीजीडीएम रिटेल में प्रवीण कुमार ए व पीजीडीएम इंटरनेशनल में शल्लिका सिंह को स्वर्ण मिला।

माधुरी जे सेठ पुरस्कार तन्वी जैन और शल्लिका सिंह को मिला

मार्केटिंग में सोनाली गुप्ता, आपरेशंस में रोंची सारा थामस, फाइनेंस में आदित्य वर्धन व एचआर में दिव्या नेगी को गोल्ड मेडल दिया गया। डॉ. सीबी गुप्ता मेमोरियल अवार्ड प्रवीण कुमार ए को, यशोदा मेमोरियल जाजू अवार्ड शल्लिका सिंह को, माधुरी जे सेठ पुरस्कार तन्वी जैन व शल्लिका सिंह को, श्रेष्ठ चिरैया के लिए सरला देवी बिड़ला अवार्ड सुजाता को व पीएचडी में श्रेष्ठ थीसिस के लिए डॉ. अमरेंद्र पाण्डेय व हिमांशु गुप्ता को सम्मानित किया गया।

डायरेक्टर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की : संस्थान के डायरेक्टर डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जेलों में लाइब्रेरी खोली जा रही हैं। नीमका गांव में चिरैया कार्यक्रम चल रहा है। यहां लड़कियों को पढ़ाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने संस्थान में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर खोला गया है।